खण्ड 'अ'

इसमें दस वस्तुनिष्ठ लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। ये दस प्रश्न विकल्प रहित होंगे। प्रत्येक प्रश्न का लघुत्तर लगभग 20 शब्दों में होगा।

(अंक 10)

खण्ड 'ब'

इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगें। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न दस अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दिया जा सकता है। (अंक 50)

खण्ड 'स'

इस भाग में चार विवेचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न बीस अंक का होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं। (अंक 40)

टिप्पणी : प्रत्येक इकाई पर आलोचनात्मक प्रश्न पुस्तक, विषयवस्तु, काव्यपक्ष इत्यादि पर पूछे जा सकते हैं और दो व्याख्याएँ 10–10 अंकों की पूछी जा सकती है।

चतुर्थ प्रश्न पत्र : राजस्थानी साहित्य का इतिहास और लोक साहित्य

पाठ्य पुस्तकें

इकाई – प्रथम 20 अंक

1. प्रारंभकाल, मध्यकाल, उत्तरकाल
(प्रमुख कृतिकार, कृतियां)

इकाई – द्वितीय 20 अंक

2. प्रारम्भकाल, मध्यकाल, उत्तरकाल
(साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां)

इकाई – तृतीय 20 अंक

3. आधुनिक राजस्थानी काव्य एवं गद्य
(प्रमुख कवि, कृतियां, प्रवृतियां एवं गद्य की विविध विधाएं)

इकाई – चतुर्थ 20 अंक

4. लोक साहित्य, लोक संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, राजस्थान के रीति रिवाज, लोक गीत, लोक गाथा।

इकाई – पंचम 20 अंक

5. राजस्थान के लोक नाट्य, लोक नृत्य, लोक देवता, लोकोक्तियां, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ, वनस्पतियाँ, पशु पक्षी।

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी जिनमें इस प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा–